Rajkumar College, Raipur (C.G.) e-newsletter

स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान सर्वत्र पूज्यते

Fifth Edition - November 2020

November 2020
Fifth Edition
Rajkumar College, Raipur (C.G.) e-newsletter

Perspective

Optimism is a magnet which always attracts positive energy. Diwali - the festival of lights - unequivocally conveys a strong message that good always triumphs over evil. Students must realise that hard work always pays dividends. As they progress in life, youngsters shall face challenges and to surmount these challenges they must follow the mantra that knowledge shall overcome ignorance if they remain steadfast to their beliefs. May the festivity of Diwali bring joy and happiness to you.

Happy Diwali

Shivendra N S Deo
Editor in-chief

From the Principal's Desk

May this Diwali, Come up with beautiful beginning,

fresh hope,

bright days

and

new dreams.

Wishing you a prosperous Diwali

Lt. Col. Avinash Singh (Veteran)

Principal

नईदुनिया गुरुकुल

संस्कृति से संस्कार

नईदुनिया

राजकुमार कालेज के प्राचार्य ने कहा, गुरुकुल की कहानी जीवन को सरल बनाने की पहल

घमंड के त्याग से मिलता है ज्ञान : अविनाश सिंह

रायपुर। संवेदना शून्य होते समाज को जगाने की सार्थक कोशिश के साथ ही छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से मनुष्य जीवन को सरल बनाने की सुंदर पहल नईदुनिया समाचार पत्र के द्वारा शुरू की गई है। इसी कड़ी में 'नईदुनिया गुरुकुल शिक्षा से संपूर्णता कार्यक्रम' के तहत 'संस्कृति से संस्कार श्रृंखला' में प्रकाशित गुरुकुल की कहानी बदल गया राजकुमार जीवन उद्देश्य का सरल चित्रण है। अहंकार अर्थात घमंड को त्यागकर ही ज्ञान मिलता है। मनुष्य के जीवन का उद्देश्य ही है- ज्ञान प्राप्त कर स्वयं का विकास और उसके द्वारा समाज और देश का विकास करते हुए अपने जीवन को सफल बनाना।

एक छोटा बालक बचपन से ही नई-नई बातें सीखना आरंभ कर देता है और यह प्रक्रिया आजीवन चलती रहती है। ज्ञान, मनुष्य को नाम, पैसा, शोहरत आदि सब कुछ देता है। परंतु सच्चा ज्ञान मनुष्य में प्रेम, दया, विनम्रता, मधुर वचन, परोपकार और देश हित की भावना का भी विकास करता है।

एक सच्चा ज्ञानी वही होता है, जिसके मन में प्रत्येक प्राणी के लिए प्रेम, सहयोग और विश्वास की भावना हो। अर्थात सच्चा ज्ञानी वह हुआ, जो किसी भी व्यक्ति से प्रेमपूर्वक मिले, विनम्रता से बातें करे और सदैव उसके मन में दूसरों के लिए दया और करुणा का भाव हो। इसके विपरीत यदि किसी व्यक्ति के मन में काम, क्रोध, लोभ, घमंड और मोह हो, तो ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया रुक जाती है।

सच्चा ज्ञान ही ईश्वर है। सच्चा ज्ञान ही मानवता है, जबकि संसारी मनुष्य ईश्वर को मंदिर, मस्जिद, गिरिजा, गुरुद्वारे में खोजता है। यहां कबीर मुझे याद आते हैं- 'मोको कहां ढूंढे बंदे, मैं तो तेरे पास'...। हमारे संतों की वाणी मतलब जीवन के अनुभवों का संग्रह। अपने बाहरी ज्ञान पर अहंकार करने से हम पतन की ओर अग्रसर होते जाते हैं, हमारी उन्नति के मार्ग में बाधा आ जाती है।

जब मैं था तब हरि नाहिं, अब हरि है मैं नाहिं। इसलिए हमें अहंकार जैसे दुर्गुणों से दूर रहना चाहिए और जीवन के आनंद को प्राप्त करना चाहिए।

नईदुनिया की कहानी बदल गया राजकुमार से हमें सीख मिलती है कि अहंकार को दूर करके ही हमें सच्चा ज्ञान मिलता है। कहानी का प्रमुख पात्र राजकुमार सभी प्रकार विद्याओं में निपुण था। मगर, उसे अपने ज्ञान का घमंड हो गया, जिसके कारण उसे क्रोध, लोभ, मद आदि बुराइयों ने घेर लिया। तब राजा उसे कुलगुरु के आश्रम में लेकर गए। वहां कुलगुरु के प्रश्नों का उत्तर राजकुमार न दे सका, तब कुलगुरू ने राजकुमार को सच्चे ज्ञान का महत्व बताया। किसी भी व्यक्ति में पद, पैसा या ज्ञान मिलने से अहंकार आ जाता है। उस समय मनुष्य की भाषा और व्यवहार भी बदल जाता है। लड़ाई केवल तलवार से नहीं, जबान से भी होती है। कहा भी कहा गया है- शब्द सम्हारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव। एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव।

मानव एक तुच्छ प्राणी है और उसके पास जो कुछ भी है, वह प्रकृति और ईश्वर का दिया हुआ है। जिस प्रकार ईश्वर अनंत है, ठीक उसी प्रकार ज्ञान भी अनंत है। रामचरित मानस में भी जब भगवान राम ने लंका जाने के लिए समुद्र से रास्ता मांगा, तो अहंकार के कारण समुद्र ने प्रभु राम को अनसुना किया और उसे भगवान राम के क्रोध का सामना करना पड़ा।

एक प्राचार्य के रूप में मैं प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों से मिलता हूं और उन सभी से हमेशा कुछ न कुछ सीखने की कोशिश में लगा रहता हूं। इसलिए मैं अपने आप को राजकुमार कालेज, रायपुर का वरिष्ठ छात्र ही समझता हूं और नईदुनिया समाचार पत्र की इस श्रृंखला के माध्यम से सभी पाठकों से निवेदन करता हूं कि अपने अंदर सीखने की ललक जगाए रखें और स्वयं को अहंकार से दूर रखें।

अविनाश सिंह 17 अक्टूबर को होंगे लाइव

राजकुमार कालेज के प्राचार्य ले.कर्नल अविनाश सिंह 17 अक्टूबर शनिवार को एनडीगुरुकुल फेसबुक पेज पर लाइव होंगे। दोपहर 12:00 बजे प्राचार्य लोगों से और छात्र-छात्राओं से मुखातिब होंगे। इस दौरान वे नईदुनिया में प्रकाशित कहानी का अनुभव सभी के साथ साझा करेंगे।

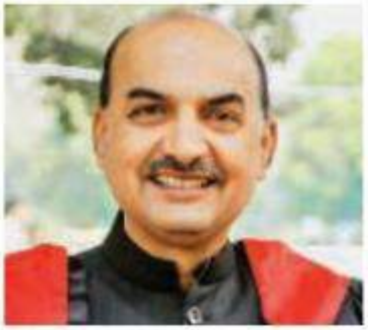

ले. कर्नल अविनाश सिंह, प्राचार्य राजकुमार कालेज, रायपुर। ● नईदुनिया

Yash Majithia secures 94.75 per cent in ISC

Staff Reporter
RAIPUR, July 10

THE journey of life is very amazing. It has many thrills and adventures, ups and downs come in everyone's life, but to be stable and calm and move on with a progressive thinking is the thing one should focus on, said Yash Majithia.

A student of prestigious Rajkumar College Yash Majithia passed ISC (Class XII) exam with 94.75 per cent score securing 100 marks in Political Science and 97 marks in Geography. He attributed success to the support of parents and teachers who have stood with him, whenever, he needed help. He said that his mother Swati Majithia was the major contributor, who made lots of sacrifices and the outcome is good results. He also praised Principal of the school along with teachers, who have always helped him during trouble and guided him giving lot of opportunities in various fields. Yash further said that he managed to strike a balance between co-curricular activities and academics.

Besides taking responsibilities at different levels of various events and activities in school, music is one of his favourite hobbies. His ambition in life is to serve the nation as an Indian Foreign Service (IFS) officer.

ACCOLADE

जिंदगी लाइव

रायपुर, शनिवार, 11 जुलाई 2020
haribhoomi.com

हरिभूमि 11

सीआईएससीई के परिणाम जारी, पहली बार टॉपर्स का ऐलान नहीं, विशेष परिस्थितियों के कारण फैसला

कोरोना के कारण प्रभावित हुईं परीक्षाएं, कुछ विषयों में देना पड़ा जनरल प्रमोशन

दसवीं तथा बारहवीं
दोनों के नतीजे घोषित, शहर के छात्रों का भी बेहतर प्रदर्शन

प्रतिशत नहीं, सिर्फ बेहतर करने पर ही फोकस

95.5 प्रतिशत के साथ रोहित प्रथम

सालभर मोबाइल से बनाई दूरी, दिन में 4 घंटे पढ़ाई

घर से अधिक स्कूल में पढ़ाई

10वीं में सुयश को 99 प्रतिशत

11वीं में टॉप किया था तभी से 12वीं के लिए निर्धारित था लक्ष्य

पूरा रात का वक्त, ताकि ना हो कोई व्यवधान

खबर संक्षेप

विवेकानंद कॉलेज में रखा वेबिनार

लैंगिक समानता पर हुआ वेबिनार

रोटरी क्लब की नई टीम गठित

ACCOLADE

नवभारत

रायपुर, शनिवार, 11 जुलाई 2020

www.navabharat.org

आईएससी व आईसीएसई में आरकेसी, रेडियंट स्कूल का रिजल्ट शानदार

दोनों स्कूलों में ज्यादातर विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.
www.navabharat.org

इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आईएससी) 12वीं तथा इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन (आईसीएसई) 10वीं का रिजल्ट शुक्रवार को एक साथ जारी किया गया. उक्त बोर्ड के तहत संचालित राजकुमार कॉलेज (आरकेसी) एवं द रेडियंट वे स्कूल में दोनों कक्षाओं का रिजल्ट शानदार रहा. ज्यादातर विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए. आईएससी में आरकेसी से संस्कृति नत्थानी तथा आईसीएसई में प्रतीक त्रिपाठी ने स्कूल में टॉप किया. इसी तरह रेडियंट वे स्कूल में 12वीं में मैथ्स में रोहित डोरिया, बायोलॉजी में माही चन्द्राकर तथा कॉमर्स संकाय से प्रद्युम्न मुंदड़ा तथा 10वीं में साइंस से सुयश सोनी, वाणिज्य में सक्षम कुमार, ईव्हीएस साइंस में चारू पटेल ने बाजी मारी.

राजकुमार कॉलेज

हर्षिका पुगंलिया

समकित जैन

संस्कृति नथानी

शयान खान

सौम्या समृद्धि

यश मजीठिया

आरकेसी में इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आईएससी) 12वीं का रिजल्ट शानदार रहा. 110 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए. 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में रहा. 17 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त किए. वहीं 79 विद्यार्थी 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर सफल रहे. संस्कृति नत्थानी ने सर्वाधिक 96.25 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल में टॉप किया. इसी तरह हर्षिका पुंगलिया 95.25 प्रश, यश मजीठिया 94.75 प्रश, सम्कित जैन 93.75 प्रश, शिवराजेश्वर सिंह 93 प्रश, जतिन खंडेलवाल 92 प्रश, मो. शायन खान 91.75 प्रश, सौम्या समृद्धि सोनी एवं रोनित पी. अग्रवाल 91 .25 प्रश, नूपुर अग्रवाल, तेजस तपाड़िया, श्रिया अग्रवाल व कशिश वाधवानी 91 प्रश, शाश्वत अग्रवाल 90.50 प्रश, रौनक अग्रवाल 90.25 प्रश तथा उद्‌दृति दुबे एवं दिव्यांश सराफ ने 90 प्रश अंक प्राप्त किए.

इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन (आईसीएसई) 10वीं बोर्ड में 171 विद्यार्थी प्रथम तथा 3 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी रहे. 33 विद्यार्थियों ने 90 प्रश या उससे अधिक अंक अर्जित किए. 123 विद्यार्थी 75 प्रश या उससे अधिक अंक लेकर सफलता प्राप्त की. प्रतीक त्रिपाठी 98.60 प्रश अंक लेकर प्रथम रहे. इसके अलावा अनंत केडिया 96.60 प्रश, तान्या वोरा 96 प्रश, मिहिका प्रसाद 95.60 प्रश, स्मिति गुप्ता व प्रयुक्त कटेला 95.40 प्रश, वेदांत शर्मा 95 प्रश, याना जोसेफ 94.80 प्रश, गुरसिरजन सिंह व ऋषि पिंजानी 94.60 प्रश, सान्या आचार्य 94.40 प्रश तथा श्रुति अग्रवाल ने 94.20 प्रश अंक अर्जित किए.

अनंत केडिया

मिहिका प्रसाद

प्रतीक त्रिपाठी

प्रयुक्ता कटेला

स्मृति गुप्ता

तान्या वोरा

द रेडियंट वे स्कूल

ACCOLADE

आरकेसी के बच्चों ने दिल्ली की बारहवीं - दसवीं बोर्ड परीक्षा में किया टॉप

कोई सीए, आईएफएस बनना तो कोई रिसर्च करना चाहता है

◆ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

www.navabharat.org

काउंसिल फॉर इंडियन सर्टिफिकेट बोर्ड, नई दिल्ली ने वर्ष 2020 की आईसीएसई कक्षा दसवीं और आईएससी बारहवीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे शुक्रवार को घोषित किये. जिसमें राजकुमार कॉलेज रायपुर (आरकेसी) के बच्चों ने टॉपरों की सूची में अपना स्थान बनाया. दसवीं में जहां दस बच्चे, वहीं बारहवीं में 13 बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया. 'नवभारत' ने टॉपर बच्चों से उनकी सफलता के संबंध में चर्चा की.

सीए बनना चाहती है संस्कृति

आईएससी बारहवीं बोर्ड परीक्षा में टॉपरों की सूची में अव्वल संस्कृति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 96.25 प्रतिशत अंक अर्जित किया है. उसका कहना है कि वह शुरू से ही फर्स्ट आने का लक्ष्य लेकर अपनी तैयारी कर रही थी. उसने कक्षा ग्यारहवीं में पूरे आरकेसी में टॉप किया था. 10 से 12 घंटे की पढ़ाई के लिए वह समय निकालती थीं. वह इंटरनेट से टेस्ट पेपर साल्व करती और बुक से ही तैयारी करती. उसका कहना है उसके मम्मी और पापा उसे हर समय मोटिवेट करते. उसकी रुचि डांस और ड्रॉइंग में है.

आईएफएस बनना चाहता है यश

आईएससी बारहवीं बोर्ड परीक्षा (ह्यूमिनिटी) में टॉप करने वाले यश मजीठिया ने 94.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है. कॉलेज में विभिन्न पदों पर उसने शानदार प्रदर्शन किया है. उसे दो सब्जेक्ट में सर्वाधिक अंक मिले हैं. उसने लिमिट में सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया और पढ़ाई का समय रात 9 से 2 बजे तक रखा. उसने नेट का उपयोग स्टडी के लिए किया. सबसे खास बात यह है इंकम टैक्स विभाग ने उसे अपना एम्बेसडर बनाया. म्यूजिक में वायलिन वादन के साथ ही कल्चरल एक्टिविटिज में भाग लेना उसकी रुचि है.

प्रतीक ने गेम्स में रुचि के बाद भी किया टॉप

आईसीएसई कक्षा दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 98.60 प्रतिशत अंक लेने वाले प्रतीक की रुचि गेम्स में है. इसके बाद भी नार्मल पढ़ाई कर उसने टॉप किया. उसे चैस और फुटबाल खेलना अच्छा लगता है. उसने परीक्षा नजदीक आने पर महज 3 से 4 घंटे ही पढ़ाई की. वह इस सफलता को अपने माता-पिता के मोटिवेशन की देन मानता है. साइंस में ज्यादा रुचि होने से वह इंटरनेट पर साइंस से रिलेटेड वीडियो देखना पसंद करता है. उसका कहना है कि बुक के अलावा अन्य माध्यमों का भी उपयोग पढ़ाई में करने से नतीजे बेहतर आते हैं.

फिजिक्स में रिसर्च करना चाहता है अनंत

आईसीएसई कक्षा दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 96.60 प्रतिशत अंक लाने वाले अनंत केडिया की रुचि फिजिक्स में रिसर्च करने की है. वह आगे भी इसी पर फोकस करते अपनी पढ़ाई करेगा. उसने बताया कि वह परीक्षा के पहले दो- तीन हफ्ते से एक से दो घंटे ही पढ़ता था. इंटरनेट, यू- ट्यूब पर साइंस के अविष्कारों के अलावा कई जानकारी के लिये सर्फिंग करता है. गेम्स के अलावा, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भी करता है. सोशल मीडिया के बारे में उसका कहना है कि मुझे इसके बारे में जानकारी ही नहीं है.

Prateek, Prayukta of RKC felicitated

On occasion of Hindi Diwas by MEB Delhi

Central Chronicle News

Prateek Tripathy **Prayukta Katela**

Raipur, Sep 18: Among the 283 students and teachers felicitated on occasion of Hindi Diwas, two meritorious students of Rajkumar College were also rewarded for their best results viz. Prateek Tripathy and Prayukta Katela from Class 10th Science and Commerce streams respectively.

The honoured duo were lauded by Rajkumar College Society, Principal Lt. Col. Avinash Singh (Veteran), and the RKC fraternity. It is notable here that Hindi Diwas had been organised by Madhuban Educational Books (MEB), New Delhi called "Hindi Hain Hum" on Sept 14 and due to Corona Crisis, it was organised online this year. The centre of attraction this year included the formal address of the Vice President of India M. Venkaiah Naidu followed by Group Discussion and Poetry Recital (Kavi Sammelan). Esteemed teachers of our country as well as meritorious students of ICSE and CBSE boards were felicitated. There were 283 students who were honoured on the occasion, informs Shivendra Nath Shah Deo, Vice Principal, Rajkumar College, Raipur in a press release.

ACCOLADE

PROUD TO BE AN INDIAN

I am proud to be an Indian, which has the best Army, Navy and Air force in the world. We have developed strong defence capabilities to match any powerful nation of the world. We have built long range missiles, which can be fired from land, air and sea, with the latest and advanced technology of aircraft and helicopters. We are proud of our scientists, who are working hard and making our nation proud and strong. Our Indian army is one of the fittest armies of the world, who have been trained to fight a battle in difficult terrains like desert, snow and jungle warfare. I wish my Army, Navy and Air force to be the strongest and wish to be part of these, if given a chance to do so.

Yashodhara Rana,

6A

ONLINE EDUCATION

Online studies are being conducted all over the world due to the present Pandemic (Covid 19). Online studies have many advantages and disadvantages. Advantages of online studies are that we can be safe at home and study. And also we can practise our computer skills by using internet in case of any confusion. The disad-vantages are that if we face internet issue, we may miss online classes! As it is a virtual platform, we can't see our teachers and blackboard well, whereas during normal classroom teaching, we are able to see teachers and the black board clearly. If we have any doubt during the online class we un-mute to ask the question. Sometimes we are unable to un-mute due to some connectivity issues. Frankly speaking, we don't enjoy much in online classes. Being a boarder, I truly miss our lush green campus and my boarding house friends. I hope that very soon we will start going to school as before.

Vaishnavi Jain, 6C

MATHS OF MY LIFE

Try, try and try,
The more I try,
The more I cry!
I practise Maths with my heart and soul,
Yet, I am unable to achieve my goal!
Alas! I never get good marks in Maths,
In spite of putting all my endeavours,
As fate is never in my favour for improving Maths!
I really want to improve my Maths
Cause I love this subject over the rest,
I am trying my level best!
I am candid, so I do confess,
That, in Maths exams, I create a mess!
All the answers I always guess!
Pooh! The marks I get are quite less.
Mathematics is full of fun,
With so much to learn!

Profits are always added,
While losses are subtracted!
Degrees are multiplied,
And percentages are divided!
Geometry is full of mystery,
Algebra has a very big history!
Integers are as different as brothers!
If lines are parallel,
Angles are very similar!
Maths is necessary in life,
Without Maths, it is difficult to survive!

Ayusi Sethia, 7E

COMPUTERS IN PLACE OF TEACHERS!

Computers can be defined as a technological discovery, which has the information of universe within itself. Today we find our study materials and answers to the queries online. Due to the present pandemic, it is guessed that a day will come, when computers will replace the teachers as well as the teaching system! Well, I don't think so!

But the big question is, "Can computers really replace the teachers?" After giving a thought, the answer is a big, "NO"! The fact is that computers are electronic machines devoid of emotions, while teachers are kind human beings and have enough emotions. It is true that all the study materials are available online and that too properly explained! But teachers are very resourceful.

When a teacher teaches a student, there is a mutual involvement. Whereas when a child learns from a computer, there is an involvement from the side of the student only! So the personal touch is missing! When we ask the solution to a problem, the computer has fixed set of answers and cannot answer anything beyond that particular question! But teachers go beyond that to give us better insight into the question asked. So, who is better?

There is actually an emotional bonding between teacher and student, which we miss in a computer! There are some students, who need special care and attention. Not all students can be taught easily. If computers can replace teachers, then a day might come when an individual will not even require his or her family!

There are some things in life which cannot be replaced with other things! The most important among these are emotions of love, care and affection. Can a computer provide us all these? I don't think so. Do you?

Asmi Jain, 6C

RING-O-BELLS

The ringing of a school bell is a signal that informs the students when it is to go to class in the morning or afternoon and when it is to change classes during the day. And it also signals to students when all the classes are over. So, it seems as if the bells control us, not the teachers! The first bell tells the students that it is time for them to report to class. There are also warning bells.

There are various types of bells that are used in various schools. But all such bells have one function and that is to inform the students that they need to work according to a timetable, within certain limits of time. It also reminds our teachers to be alert about the time when they have to move from one class to the other. It helps the school to maintain discipline and decorum systematically and punctually. In modern times, mechanical bells have taken over the place of old bells, rung manually.

Muskan Mahajan,10B

CONTROLLER OF TIME!

School is a place where everyone and everything is important, like our teachers, our classmates, our school surroundings and our classes, everything. But the most important of all is our school bell, which controls the whole institution, in a way!

Although it is a very small thing, it works like a controller of our timetable! Some bells are made of iron with dumbbell like structure to hit manually. Sometimes it works with electricity also. In our school, we have a manual as well as an electric bell. We attend to each and every activity, according to it. Bell, according to me, it works as a reminder, which makes us ready to perform the task and also denotes the change of activity and mind, as well, when we follow it punctually. It rectifies our forgetfulness!

If we work according to time, we will reach our goals in perfect times! These school bells also remind me to fulfil my ambition, according to time. As the saying is 'Time and tide waits for none.' Hence these small things also make me ready to do all my activities accordingly.

Dhairya Bakshi, 10B

APOCALYPSE OF AIR POLLUTION

Air pollution is getting so much over our heads that some people from Britain have started selling fresh air in bottles in China! British businessman Leo De Watts, 27, has made thousands of dollars selling bottles of fresh country air to Chinese buyers!! There is a place in China known as Hotan, where one cannot even breathe without a mask, for it would be similar in effects as smoking ten cigarettes!!! Imagine the level of pollution there!

Air pollution is responsible for an estimated 4.2 million deaths per year due to stroke, heart disease, lung cancer, acute and chronic respiratory diseases. Not just that, numerous people suffering from lung diseases undergo grave surgeries that have a high mortality rate. So the menace of pollution persists.

In 2017, a research was conducted in which earth was viewed from the satellite, and it speckled a black dot that was nothing but the Indian city of Delhi, covered with smog. The warning bells are ringing but we are turning a deaf ear to them! When are we going to be serious about our own safety and a safer environment?

Due to our own carelessness, there are already many holes in the ozone layer, and if we do not stop the pollution, it will blow out of proportion, difficult to repair! Soon there will be a time when we will not be able to breathe amenably without a high-tech filter mask! Let’s not wait for our own doomsday, please! The apocalypse can occur just anywhere, anyway and anytime! Just wait and watch!

Abhishek Agrawal, 9F

AIM OF MY LIFE

Someone has rightly said, "**A life without an aim is like a boat without a rudder**". But choosing a career in such a cut throat age of competition is really a difficult task.

Different people have different aims in their life, according to their tastes and temperament. Some people want to become technocrats like doctors, engineers, scientists, while many people want to become bureaucrats like IAS, IPS and IFS.

Some dream to become educationists, while for others politics holds great attraction. A few are lured to pursue their career in anti-social activities! There are some creative people, who have a craze to become poets, writers and novelists. To say that different people have different choices, will never be an understatement.

Technology is the greatest achievement of mankind. It has constantly been evolving each time, making us a more advanced species.

Children from a very small age are frequently using electronic gadgets. They play, explore and know every single working operation of their favourite phones and laptops. So naturally, many of them love to learn, study and are curious about the inner workings of computers that we call as hardware.

Career options these days are not only far more exciting but bring in quick and tremendous success. The most favourite and trending job of the world today and especially in our country is Software Development. There is no doubt about it.

What attracted me towards this profession is the fact that I love technology. It excites and intrigues me beyond words. But most of all, I like to do coding. I find it very challenging and fascinating. I like to write the best code, with no errors. I have always understood and enjoyed coding lessons.

I have always wanted to be a founder and CEO of a big multinational company, like Sundar Pichai and Satya Nadella and earn a handsome salary. I want to be at par with today's world, by learning about new technologies of the latest order.

Adi Yenuubarii, 7D

DUTIFUL DOCTORS

Dutiful doctors are men of noble action,
Who are in a very honourable profession!
Doctors help in curing mostly any disease,
After which, the patients are much at ease!
Doctors have the surreptitious art of healing,
But such a small description is not at all revealing!
Doctors cure the ailing in faithful and anxious mind,
Being there, at any time and being patient and kind!
They are like deities, next to almighty God,
Treating their patients in any situation that's odd!
Doctors are always in a gleeful state,
To treat their patients well, at their gate!
The doctors cure the sick in a blink,
How much devoted they are, let's think!
Doctors are helping us in corona time,
Curing the victims to be fit and fine!!

Aarya Agrawal, 7B

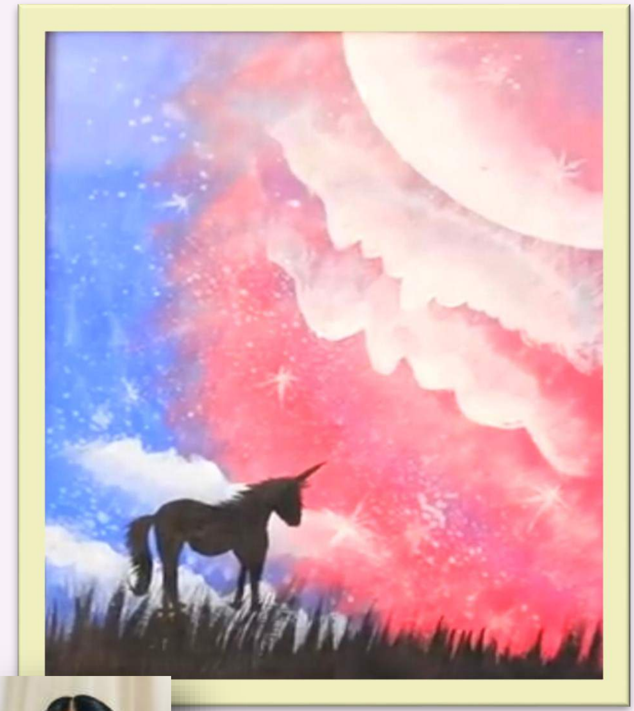

Aishwarya Rai Sahu

6A

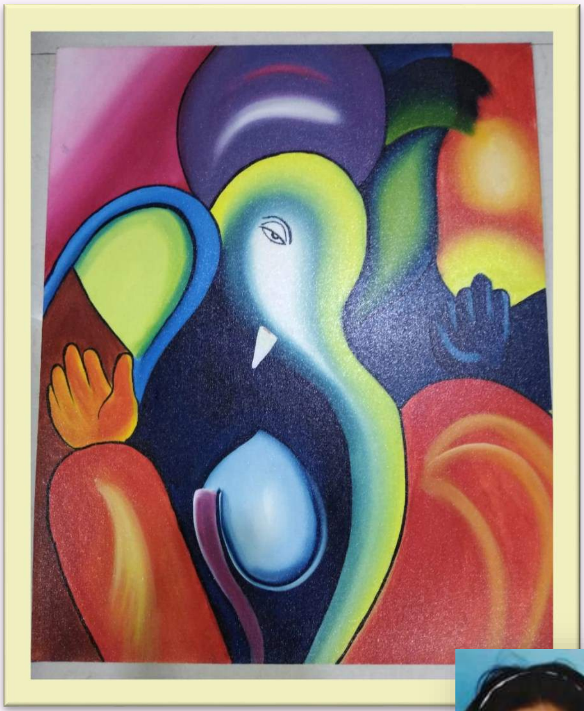

Aashvi Agrawal
7E

Samriddhi Soni
8B

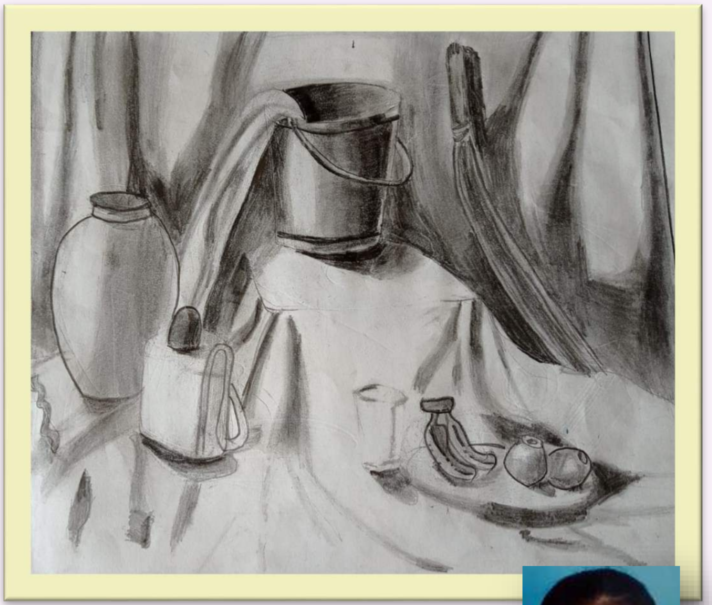

Falguni Chandrakar
8E

THE RIGHTS OF ANIMALS AND BIRDS

Everyone in the world has the right to live. We humans are doing all the activities for our own profit very selfishly. We don't think that any other animal or bird will lose its life because of our thoughtless and callous human activity.

All the animals have the right to freedom of comfort. It is a fundamental right for animals. Birds cannot freely fly nowadays in the sky because of many reasons, which are created by us! (Sparrows and crows have disappeared from many cities!)

Some of the reasons are our factories producing a large amount of smoke, which is released into the atmosphere. And we all know that because of the deadly smoke, the birds do suffer from many diseases and some of them also die as they fail to tolerate it.

A few years back in Mumbai, a ship leaked all its oil into the ocean and due to that, many innocent animals and birds lost their lives! People are cutting down forests to make their own buildings but the natural habitats of animals and birds are becoming smaller and smaller. And as a result, they are dying untimely!

Recently in the UK, wild animals were crossing the road and the people stopped their cars for them! This is how we want the people of the world to be. Lastly, I would like to say that all living organisms have the right to live and we humans are no one to interfere in their lives. We must remember that if we don't allow them to live, a time will come when our environment will not allow us to live! And that will be the beginning of the end of human civilization! Should we allow such a disaster to hit us? Hence, let's put on our thinking caps to consider the rights of animals and birds!

Mohil Chopra, 8D

BE IN THE PRESENT!

"Yesterday is a history, tomorrow is a mystery and today is a gift that's why it is called a present." Many a times we think about our past and think 'I hope I could change this …' and then we are sad because now nothing can be changed! We visualize our future which gives us worries because we don't know what will happen then. But have we ever lived in our present? Now, we can do wonders if we want…………Imagine!

Give yourself a minute and think ….What best can you do to yourself, to your family and to your nation?

In the present crisis, the pandemic, we all are worried because this virus has taken thousands of lives till now and the whole world is trying to find the vaccine for it. We all are worried about our future. But for a while forget all the worries and live in the present moment. This present is our life. What seems to us as bitter trials are often blessings in disguise. During this pandemic, let's find something positive and constructive.

We all have plenty of time, so let's utilize it. This is the time we can spend with our family and also learn something creative. So, here is our golden chance to do so now! We all know that in a year or two lives will again be normal and we will again live our individual busy life, students with projects and deadlines and elders with work. It is very important to prioritize. At the end of the day, no one should have rooms for regrets. So,

"STAY AT HOME, WHERE YOU HAVE A.C., TELEVISION, WIFI AS FRIENDS AND YOU ALSO HAVE A FAMILY OR ELSE, CHOOSE THE WORST FOR THE FUTURE!"

Aadya Gupta, 10 B

CHOOSE YOUR OWN WAY

"Where there's a will there's a way," is a proverb that tells us that if we are determined to do something, we will definitely find a way to achieve this goal, regardless of all obstacles we may face or even, when the goal may seem out of reach and circumstances appear challenging and difficult for us. Strong-willed people will always find a way and eventually succeed and never be disappointed in life.

Willpower is the key to accomplish anything we may wish for. It teaches us not to give up but to endure with determination and focus, until we achieve our desired goal. Swami Vivekanand once said, "Arise, awake and stop not till your goal is reached!" How true are his words to inspire us to achieve our aim in life!

There will be times in life when we may feel completely lost, with no way out but we must deal with it patiently and not lose hope. A chick comes out of an egg by hatching it and not by breaking it! If we break it before hatching, it will only be fit for an omelette!

Sooner or later, we will find the ways and means to get through the tough times. I firmly believe that where there's a will, there's always a way out. Please wait for your way out, if you are in a fix! Remember, after the darkest night comes the brightest morning and every cloud has a silver lining! So be patient and keep on trying! Don't give up!

Shaili Rohra , 9E

RENDEZVOUS WITH RECESS TIME!

Recess is the only time that is greeted by the students with shouts of joy. It is the most awaited time period of each and every student in the school. Students rush out of their classes and start running in every direction. Some students open their lunchboxes in their classrooms itself! They all sit in small groups, so that they can enjoy their meals and snacks along with gossips and sweet talks. They combine their snacks and chapattis, so that they have a variety of food to gobble.

Some students go to the canteen also to eat and hang out with friends. Everyone shouts over the head of others and wants to get the snack or the cold drink or the shake as fast as they can. The canteen is strewn with wrappers and wooden spoons and plates, thrown carelessly by students. The students, who purchase fast food, do not wait to even get aside. They take it from the counter of the shop, straight to the mouth!

During rest of the time, they do stay in the open area and play. Some sports lovers do not waste their time during lunch hour. With the ringing of the bell, they run to the open area and play the games of their choice. Seeing them playing, more students who are interested, join them.

There are a few students who go to reading room or any place, where they can enrich their minds by reading. These are serious students, who do not want to waste a single minute of their precious time. When the second bell rings to announce the end of the recess, the students make their way to the classrooms. One can see gloom writ large on their faces! They get themselves ready to attend their last period, waiting for another day's recess time!

Sanya Chauhan, 10C

EFFECTS OF TECHNOLOGY ON YOUTH

From the very beginning, the human mind is evolving very quickly from simple to complex neuron structure. This has increased the ability of humans to think and is leading to the creation of new technology for our own use.

Technology has now become an integral part of our life as it eases our daily tasks. It helps us in many ways. So I am against the topic that technology is making the youth dumb! I strongly feel that it is not making the youth dumb.

The main and the foremost task of the youth is to study and get knowledge, so that they can develop our country ultimately. With the invention of mobile and other technology, all these study materials will be saved in just one-centimetre chip, which is very handy to read and study! Now every single topic is available in just one click, thanks to various search engines like Google Chrome, Fire Fox etc.

Before this technology came to us, we had to go to the library and then to keep on searching for the book. Still some topics were not available. Technology helps the youth, but they are using it in other ways. They should use it in such a way, so that they can get benefit from technology. Like instead of playing a game, they can research on different topics, study through a different source like animation and video lecture. Ultimately, they work on self-development, till they become successful in life.

Technology provides all the materials which we need. It provides a stage for them to showcase their talents remain connected with friends, development of communication skills and enhance teamwork.

Technology also creates some employment opportunities as there are various servers through which we remain connected to the society. Humans are social animals. They cannot remain outside the society. So this service requires regular maintenance. There are various content creators required to maintain and create new and useful value addition to the people's lives and living.

Finally, technology is like "Bhramhastra." Through this, we can use it to secure our goals or make ourselves dumb. Parents have to interfere in the technology usage of their children and show them the right usage of technology so that instead of wasting time, their children can create history. Hence technology will help the youth for personal benefits.

Jay Dewangan, 12 D

Reflections

BE HUMBLE

"Kindness is the language which the deaf can hear and the blind can see."

INDIA IS INDEED INCREDIBLE!

India truly represents "Unity in Diversity." Our country is a melting pot of various cultures, religions, traditions, diversity in food, languages, etc. Many Indians are so polite, understanding and helpful, to mention about their virtues. Let me not list their vices here! Well, variety is the spice of life. Isn't it?

The national bird of India is Peacock and is indeed very colourful and beautiful. India is really incredible and is full of colours, be it the festival of Holi or Diwali! It has tiger as its national animal, one of the very beautiful yet ferocious animals of the world. We have set many world records in the Olympics in Hockey, which builds stamina and strength.

The national language of our country is Hindi, which is the 3rd most spoken language, after English and Mandarin! India is also well known for its variety of languages as we move from north to south and east to west.

Indians are also much talented and have shown very high growth in various fields of expertise. The IT sector of our country has shown accelerating growth thanks to maximum number of intelligent Indian software engineers, who have excelled in this essential skill of the 21st century. The list of their achievements will fill many volumes of books.

Similar is the case with Indian doctors and scientists, who are making waves in the US and Europe. The list is very long indeed to mention the achievements of many incredible Indians. It will be another article if I simply mention their names here!

Anjali Mittal, 12D

BE SOMEONE TO RECKON WITH!

Life is full of obstacles. It is you, who decides what you want to do, how you want to do and why you want to do so? Many students complain to their parents saying, "I don't want to study. It is way too much for me", "How will you know that I am tired. You are not the one studying! You don't know how much I have to study and work hard" and "I am really tired of everything. You just don't let me play!" the complaints are unending.

But friends, why do you all forget that once your parents were also kids and they too were students! Weren't they! They worked so hard that they, are in front of you, so successful in life in order to fulfill all your demands.

No matter whatever stream you choose PCM, PCB, Commerce, Humanities, just give your 200% to it. No one can then stop you from being the best. No subject is more easy or difficult. Don't do anything to prove anything to others! Do it for yourself. Don't compete with others but compete with yourself! If you learn to achieve victory on your own, then you will win every competition .No one can ever stop you from achieving your dreams! Walt Disney once said, "All our dreams can come true, if we have the courage to pursue them." So be very courageous and make all your dreams come true.

It's never too late to realize that it is high time now and you have to decide whether you want to work hard and be successful in order to stand and face the world or just sit in one corner and wait for someone else to help you! You have to decide whether you want to be the one sitting in the corner and asking for help or you want to be the one standing and helping others! Well, you have to decide, who you want to be!

Vanshika Agrawal 11B

MAGIC MIX OF MEMORIES

Some memories are unforgettable, which are vivid and heartwarming. They help us to record the past that we can refer to it later and bad memories always teach us a lesson; so that we don't make the same mistakes in future. Good memories always make us happy with a smile on our face! Without memory, there would be no past but only the present! Hence we need our memories to move on, in life.

There are times when we just sit back and think about those memories, when some people we loved so much are not with us and what we are left with is an old memory which refreshes all the memories. It is rightly said that "matters end but memories last forever." Every day of our life we are creating new memories. They are the base for taking decisions in a person's life. But are all those memories trust worthy? When we remember the time we received a dog for our birthdays, are those memories that are something stuck in the past, which can never change. And we just have to recall it, to live it up and feel happy about. It's like opening an old photo album!

People change but memories remain the same! "A moment lasts for a second, but the memory lives on forever and ever." Now because of corona virus, we are facing so many problems in our daily life. And most importantly we are missing our school days, as we know that school life is the best period of human life. And in this situation, I am missing my school, teachers, friends, boarding, and hockey ground and football ground, where we used to play and enjoy. There are so many memories, which are attached with our school." It will be a book if I start writing about all my cherished memories here!

Well, it is said that we don't remember days, we remember moments that are unforgettable! I would like to call that as "The Magic of Memories!" I wish that everything becomes all right and again we can go back to school, as we are missing our school very much.

Anushka Chand, 11D

FROM INNOCENCE TO MATURITY

We don't even know evolution,
But we can still learn something
From a cocoon!
What we know as larva stage of the egg,
It isolates itself and cannot even see itself, as an individual!
But eventually, we see it as an adult butterfly,
And performs its magic!
Then forgets all its larva stage,
As it leaps from one flower to another, seeking nectar,
Like we hop from a day to another, trying to get better!
I now believe that,
We are like cocoons!
It's slow but a beautiful journey of ours and butterflies,
From infancy to adulthood,
And from innocence to maturity and wisdom!
Or
Better still, from a cocoon to a butterfly!

Hiteshi Jain, 12D

Eloquence

Rajkumar College oragnises online inter-set elocution and debate

● **Along with Hindi and English recitation**

Central Chronicle News

Raipur, Sep 10: Inter-Set Recitation Elocution and Debate Programme in English and Hindi was oragnised in RKC from Sep 7 to 9 in RKC. In this first ever online programme, children from Classes 6th to 12th took part.

On the first day i:e Sept 7th, recitation and elocution for Group 'C', comprising of participants from Classes 6th, 7th and 8th was organised. On 8th September it was for Group 'B' for classes 9 and 10th and on Sept 9 recitation was for Class 11 and debate was for Class 12th simultaneously in English and Hindi. There were many poems and prose pieces that were delivered online. The Debate topic for English was "Excessive dependence on Technology and Artificial Intelligen (AI) is dangerous for the existence of human race' & the Hindi Debate topic was, "Manushya Bhagya ke haath ki Kathputali hai'. Debaters aired their views either "for" or "against" the two topics mentioned above and it culminated on the 3-day of the programme, informs a press release by S.N.S. Deo, Vice Principal, Rajkumar College, Raipur.

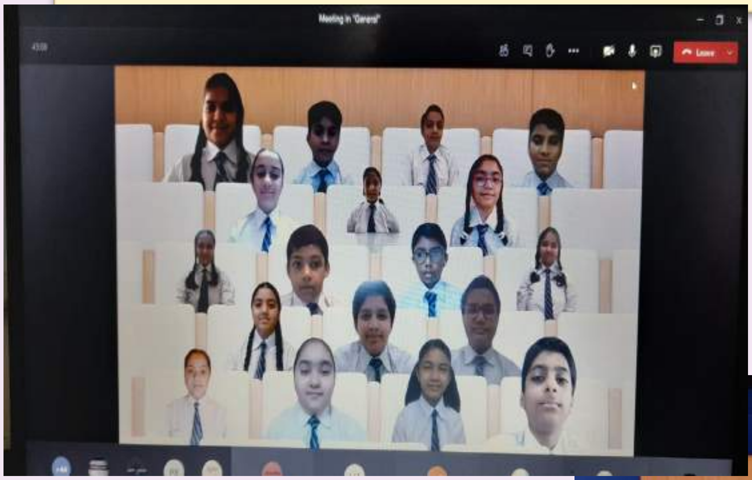

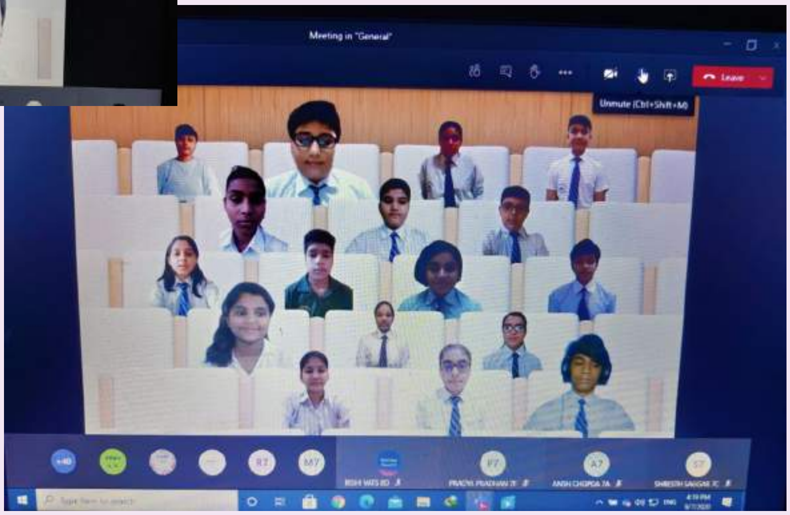

RKC wins in Radio Play enactment in an online portal

Raipur, Sep 30: It goes without saying that Rajkumar College, Raipur (C.G.) has a rich tradition of stage play and Dramatics is in the soul of RKCians. But enacting on a virtual platform is different from real staging of the play, since it gains its effects from the sound of words. How to put the sound together in order to achieve maximum impact is the challenging job before the three participants. The three students who brought laurels for Chhattisgarh and of course Rajkumar College, Raipur are Navya Rateria, Tulika Ahuja and Ishika Agrawal.

"The concept of the Trialogue Radio Play was very exciting and new for us. We were scared about it but practicing with our teachers gave us confidence. During the competition, we had to write a script, enact the roles in voice messages, edit it and also add sound effects. Our theme was "A page from Indian History!" And we thought to make the play about "Satipratha," wherein a child widow is being dressed by her mother, taken to the place, and ending with Raja Ram Mohan Roy, taking a stand against it. All these had to be done in 1 hour 30 minutes and we gave our cent percent to make our school proud. I, Navya Rateria, played the role of the mother, Tulika Ahuja became the child and Raja Ram Mohan Roy and Ishika Agarwal was

the technical in charge. The thought in our mind was, not to let the school down, which has more than a century old tradition in dramatics. When we heard our school's name securing the third position amongst 28 schools, our happiness seemed no boundaries. During these tough times, we thank our school, and the Thought Conclave, for giving us an opportunity like this! It will be remembered as a golden gesture in the annals of history.............," writes Navya Rateria, a class 12th student of Rajkumar College, Raipur(C.G.), who participated in this online competition.

Tulika, the key player of the Radio play writes, "The "THOUGHT CONCLAVE" held from Sep 29 to 30 and it was an exhilarating event for all of us, not only for the students who participated but also all the teachers, who mentored us in the preparation for this competition. The participants were given four topics from which the team of RKC chose - "a page from a historical event of India," in which we primarily focused on the issue of "Sati Rites". Honestly, we did face some difficulties, as it was our first encounter with this new technological way of presenting a dramatic play with no "Light, Camera and Action" but an online portal, where we were expected to show our creativity on a virtual stage!

All in all, the team secured the third position among 28 schools. This team was constituted by- Tulika Ahuja (Self)- as - The widow and Raja ram Mohan Roy, Navya Rateria - as - the mother and Ishika Agrawal, as our technica support. The guidance given by our teachers- Si Sanjay Mishra, Shrabon Dey Maamand, Sanyogita Tiwary Maamwas what led us closer to this achievement." Ishika Agrawal, yet another participant from RKC, who did the vital technical assistance says, "The 'Thought Conclave' came as an opportunity for us to explore this new online platform. Preparing an audio file with suitable sound effects and music in such a limited time span was quite challenging. Undoubtedly, to me, new experiences are always pleasing. I definitely look forward for more of such sublime experiences......" Our school also participated in Debate, Quiz and Creative Writing. Our Quiz team was trained by Abhinay Sharma, Asst Teache RKC, informs SNS De Vice Principal, Rajkum College, in a press release

Laurels

RKC 3rd in national-level Radio Play Enactment

Staff Reporter
RAIPUR, Sept 30

THE three students of Rajkumar College brought laurels for Chhattisgarh by winning third position in the online Radio Play Enactment. They are Navya Rateria, Tulika Ahuja and Ishika Agrawal.

"The concept of the Trialogue Radio Play was very exciting and new for us. We were scared about it but practicing with our teachers gave us confidence. During the competition, we had to write a script, enact the roles in voice messages, edit it and also add sound effects. Our theme was A page from Indian History! And we thought to make the play about Satipratha, wherein a child widow is being dressed by her mother, taken to the place, and ending with Raja Ram Mohan Roy, taking a stand against it. All these had to be done in 1 hour 30 minutes and we gave our cent percent to make our school proud," the winners said.

Navya Rateria played the role of the mother, Tulika Ahuja became the child and Raja Ram Mohan Roy and Ishika Agarwal was the

Ishika Agrawal, Navya Rateria and Tulika Ahuja.

technical in charge. The thought was not to let the school down, which has more than a century old tradition in dramatics. "When we heard our school's name securing the third position amongst 28 schools, our happiness seemed no boundaries. During these tough times, we thank our school, and the Thought Conclave, for giving us an opportunity like this! It will be remembered as a golden gesture in the annals of history," writes Navya Rateria, a class 12th student of Rajkumar College, Raipur who participated in this online competition.

Tulika, the key player of the Radio play writes, 'The Thought Conclave' held on September 29 and 30 was an exhilarating event for them, not only for the students who participated but also all the teachers, who mentored us in the preparation for this competition. The participants were given four topics from which the team of RKC chose - a page from a historical event of India, in which the trio primarily focused on the issue of Sati Rites.

The guidance given by teachers Sanjay Mishra, Shroboni Dey Maamand and Sanyogita Tiwary. IshikaAgrawal, yet another participant from RKC, who did the vital technical assistance said, "The 'Thought Conclave came as an opportunity for us to explore this new online platform. Preparing an audio file with suitable sound effects and music in such a limited time span was quite challenging. Undoubtedly, to me, new experiences are always pleasing. I definitely look forward for more of such sublime experiences." RKC also participated in Debate, Quiz and Creative Writing.

The Quiz team was trained by Abhinay Sharma, Asst Teacher, RKC. Above information was furnished by S N S Deo, Vice-Principal, Rajkumar College.

राजकुमार कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पोस्ट व निबंध प्रतियोगिता में हासिल की उपलब्धि

आद्रीजा पोद्दार प्रथम, स्मिति गुप्ता द्वितीय व अक्षित केजरीवाल रहे तृतीय स्थान पर

रायपुर, 23 अक्टूबर (असं)।

राजकुमार कॉलेज के तीन विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक दक्षता से विद्यालय को गौरवान्वित किया है। हाल ही में एएफएस इंडिया द्वारा आयोजित की गई राष्टीय स्तर की प्रतियोगिता 2020-21में कक्षा बारहवीं की आद्रीजा पोद्दार ने कला के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्मिति गुप्ता कक्षा ग्यारहवीं ने रचनात्मक लेखन में द्वितीय स्थान और अक्षित केजरीवाल कक्षा बारहवीं ने कला स्थापन वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कला पोस्टर प्रतियोगिता में जिसका विषय 'बेहतर भविष्य के लिए युवाओं में दक्षता का निर्माण' में आद्रीजा ने प्रथम स्थान विद्यालय के कला शिक्षक अंकुर तिवारीऔर मीनू तिवारी के मार्गदर्शन और सहयोग से प्राप्त किया।

स्मति गुप्ता ने इसी विषय पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान विद्यालय के अंग्रेजी शिक्षक संजय मिश्रा के मार्ग दर्शन में प्राप्त किया।अक्षित केजरीवाल ने विषय 'युवा विचारकों में दृश्य कला स्थापन' प्रतियोगिता में 'तृतीय स्थान' कला शिक्षक श्रीअंकुर तिवारीऔर मीनू तिवारी के मार्ग दर्शन में प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 21 और 22 अक्टूबर को आभासी निर्वाचिका सभा के द्वारा बिरला विद्या मंदिर नैनीताल(उत्तराखंड) में आयोजित की गई।

ACCOLADE

2. Art Installation by Akshit Kejriwal

AFS India MasterChef Program organised by AFS Intercultural Programs on 10th September 2020.

AFS Intercultural Programs India

CERTIFICATE
OF ACHIEVEMENT

Awarded to

SMITI GUPTA

of Rajkumar College, Raipur for securing the **Third Position** in the **Essay Writing Competition** on the theme **Youth Skill Development for a Better Tomorrow** organised by AFS Intercultural Programs India between July - August 2020.

Thank you for being part of the #AFSEffect.

Divya Arora	A S Roye
Divya Arora	**Angela Roye**
National Director, AFS India	Board Chairperson, AFS India

To celebrate 15th July as **World Youth Skills Day**, a competition for Essay Writing & Poster Making was organized by AFS Intercultural Programs India. Through this, the students expressed their perspective about the necessity of 21st Century Skills for a better world tomorrow. The entries for essay & poster competition required the students to highlight various 21st century skills and youth's role in developing these skills.

AFS Intercultural Programs is an international, voluntary, non-profit organization that provides intercultural learning opportunities to help people develop the knowledge, skills and understanding needed to create a more just and peaceful world.

www.india.afs.org | india@afs.org

AFSIND-EC-2020-RCR-SG-30

गुलाब

दुनिया में अनेक प्रकार के फूल होते हैं| जिनमें से गुलाब लोगों का प्रिय फूल है | गुलाब के फूल में कई काँटे होते है जो उसकी रक्षा करते हैं| गुलाब का फूल अत्यंत सुन्दर होता हैऔर इसकी खुशबू बहुत मनभावन होती है | इसे सब अपनी बगिया में लगाना पसंद करते हैं| इसकी 100 से भी अधिक प्रजातियाँ होती हैं और यह अनेक रंगों में पाया जाता है जैसे लाल,पीला,सफेद ,गुलाबी,काला आदि| सफेद गुलाब शांति का प्रतीक है; पीला गुलाब दोस्ती का प्रतीक है ;लाल गुलाब प्यार के इजहार का प्रतीक है | गुलाब के फूलों को सजावट में उपयोग करते हैं| यह भगवान के चरणों में भी अर्पित किया जाता है | इसकी पंखुड़ियों को चीनी के साथ मिलकर गुलकंद बनाया जाता है | इससे गुलाब जल भी बनता है ,जो आँखों की थकावट दूर करने और हमारी त्वचा के लिए उपयोगी है | पंडित जवाहर लाल नेहरु को भी गुलाब बहुत पसंद था | वे हमेशा अपने कोट में इसे लगाकर रखते थे |

आशना अग्रवाल 6 वीं ब

जल ही जीवन है

जल हमारे लिए बहुत आवश्यक है।धरती पर रहने के लिए सभी जीव जंतु,पशु-पक्षी,प्राणी एवंपेड़-पौधे को इसकी आवश्यकता होती है|

पानी को कम से कम इस्तेमाल करें इसे बर्बाद ना करें। धरती का कोई प्राणी इसके बिना जीवित नहीं रह सकता। हम एक बार खाने के बिना रह सकते हैं पर जल के बिना नहीं |आज दुनिया में ऐसे स्थान भी हैं जहाँ जल बिलकुल ख़त्म हो गया है | वहाँ लोगो को पानी लाने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है | जिस साल वर्षा काम होती है ,तालाब में जल का स्तर कम हो जाता है और सभी जीव-जंतु , वनस्पतियों का जीवन संकट में पड़ जाता है |जल हमारे लिए अमृत तुल्य है | हमें जल को बचाने के लिए इसका उपयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए |

सार्थक बडवानी 6 वीं अ

माँ के कार्य में सहयोग करना

मुझे अपनी माँ की मदद करना सबसे ज्यादा अच्छा लगता हैं। लॉकडाउन के पहले मुझे अपनी माँ का निस्वार्थ प्यार का एहसास नहीं था क्योंकि तब तक मैंने अपनी माँ को गृह कार्य करते हुए नहीं देखा था। माँ सुबह जल्दी उठकर पूरा गृह कार्य करती थी जैसे कि सबके लिए नाश्ता बनाती, मेरे और मेरे छोटे भाई के लिए टिफिन आदि। उस दिन से मुझे माँ के दर्द का एहसास हुआ। मैंने ठान लिया कि मैं भी अपनी माँ की मदद करूँगी और छोटे भाई को भी माँ की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करूँगी| फिर तो उस दिन के बाद से मैं अपनी माँ मदद करने लगी जैसे घर सजाना, बिस्तर ठीक करना और कपड़े सही जगह पर रखना आदि। मुझे देख कर मेरा छोटा भाई भी माँ की मदद करने लगा। मैं और मेरी माँ यह देखकर बहुत खुश हुए। मेरी माँ बोली कि अभी हम दोनों के पढ़ने की उम्र है लेकिन तब भी मुझे माँ की मदद करना पसंद है।

आशना गुप्ता 6 वीं द

विद्यार्थी जीवन: जीवन का सुनहरा काल

विद्यार्थी जीवन विद्या प्राप्त करने का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है |विद्यार्थी जीवन में ही ज्ञान का उदय. मानसिक और शारीरिक बल का विकास होता है जो जीवन भर उसके साथ रहता है | विद्यार्थी शब्द विद्या+अर्थी शब्द से मिलकर बना है| जिसका अर्थ होता है विद्या ग्रहण करने की चाह रखने वाला | एक विद्यार्थी के रूप में हम परिश्रम करना,परोपकार ,विनम्रता ,अनुशासन जैसे मानवीय गुण सीखते हैं | पढ़ाई के साथ-साथ हम कई अन्य गतिविधियाँ जैसे कला,नृत्य,चित्रकारी ,संगीत ,खेलकूद में भाग लेते हैं जो हमें एक अच्छा नागरिक और इनसान बनने में सहायक होता है इसीलिए विद्यार्थी जीवन को जीवन का सुनहरा काल माना जाता है |

मान्या मित्तल 6 वीं स

यादगार पल

मेरा दसवाँ जन्मदिन जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता| मेरे दसवें जन्मदिन पर मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मुझे अपने सभी दोस्तों को पार्टी देनी है| उन्होंने मुझे सहर्ष स्वीकृति दे दी |मेरी ख़ुशी का ठिकाना न रहा| मैं बहुत उत्साहित था |मैंने अपने सभी दोस्तों को आमंत्रित कर दिया| आमंत्रण लिस्ट देखकर माँ-पिताजी ने अचरज से कहा-इतनी लंबी लिस्ट| दादी ने बीच में ही टोकते हुए कहा – इशान की ख़ुशी में कोई रोक –टोक नहीं होना चाहिए | शाम को मेरे दोस्त पहुँच गए | हम सब ने मिलकर पार्टी का पूरा आनंद लिया

सभी मेहमान जा चुके थे| बहुत सारा भोजन बच गया था| दादी ने सुझाया –खाना ख़राब हो या उसे फेंकना पड़े ये अच्छी बात नहीं है | हमें खाने की बर्बादी नहीं करनी चाहिए | दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो भूखे सोते हैं | हमें दादी की बात अच्छी लगी | मैं दादी के गले लिपटकर बोला- दादी,तुमने तो मेरे मन की बात कह दी | मैंने इतनी लम्बी लिस्ट यही सोचकर बनाई थी | मैं ऐसे ही बच्चों के साथ जन्मदिन की खुशियाँ बाँटना चाहता हूँ| माँ-पिताजी ने कहा-हमारा इशान तो समझदार होने लगा है | हमने खाने-पीने की चीजें ,मिठाइयाँ एक डिब्बे में रखी और रेलवे स्टेशन पहुँचे | वहाँ छोटे-छोटे बच्चे फटे पुराने कपड़े पहने जमीन पर पड़े हुए थे| दृश्य देखकर मेरी आँखों में आँसू आ गए | कुछ बच्चे भूख से रो रहे थे ;कुछ तो फेंकी हुई जूठन खा रहे थे | हमने सबके बीच में भोजन बाँटा| मैंने उन्हें उपहार भी दिया| भोजन खाकर उनके चेहरे की ख़ुशी को शब्दों में बयाँ नहीं किया जा सकता| ये मेरे जन्मदिन का सबसे अनमोल उपहार था|

अब मैं हमेशा अपना जन्मदिन की खुशियाँ अनाथ बच्चों के के बीच ही बाटूँगा और मुझसे जितना हो सकेगा उनकी जरूरतों को पूरा करूँगा| इस तरह मेरा दसवाँजन्मदिन मेरा यादगार दिन बन गया|

इशान सरना 6वीं फ

सपने में किसी परी से मुलाक़ात

कुछ रोज़ पहले जब मैंने सुबह आँखे खोली तो एक दूसरे जहां का खूबसूरत एहसास मानो मुझसे ये कह रहा हो - " काश मेरा सपना सच हो जाए।" चेहरे पर सुकून, दिल में हर्ष और आँखों में चमक लेकर जब मैं अपने पिता जी के पास गयी तो मुझसे रुका ना गया और मैंने उन्हें पूरे उत्साह में अपना परी से मुलाक़ात वाला सपना बताना शुरू किया। मैंने उन्हें बताया- "कल रात मैंने सपने में एक परी से मुलाक़ात की। उस परी ने सफ़ेद लिबास में जादुई छड़ी पकड़ रखी थी। उसके सुंदर पंख मुझे उसकी ओर आकर्षित कर रहे थे। उसके चेहरे की सुंदरता मंत्रमुग्ध कर देने वाली थी। वह परी मुझे अपने साथ हमारे आस-पास के लोगों से मिलने ले गयी।"

परी ने मुस्कुराकर मुझसे पूछा " परी बनना चाहती हो?" और वह यह कह कर चली गयी। मैंने पिताजी से पूछा – "अब आप बताए,? मैं परी कैसे बन सकती हूँ ,मैं तो आपकी गुड़िया हूँ ?" तो पिता जी ने कहा- "तुम उस परी के गुण अपनाकर कई लोगों के जीवन में परी का रूप ले सकती हो।" उस दिन मुझे समझ आया कि परी का सबसे बड़ा गुण, दूसरों की मदद करना है और हम सब भी परी के गुण अपने जीवन में अपनाकर किसी के लिए परी जैसे सुन्दर बन सकते हैं ।

हरसिफ़त्त कौर 6 वीं ब

एक नन्ही चींटी से मिली सीख

हर प्राणी के जीवन में परिश्रम का बहुत महत्व होता है, इस संसार में कोई भी प्राणी काम किये बिना नहीं रह सकता| परिश्रम का बहुत अधिक महत्व होता है| जब मनुष्य के जीवन में परिश्रम खत्म हो जाता है, तो उसके जीवन की गाड़ी रुक जाती है| अगर हम परिश्रम न करें तो हमारा खुद का खाना-पीना ,उठना-बैठना संभव नहीं हो पाएगा |

आज मैं बगीचे में बैठी हुई थी, तभी मेरी नजर एक चींटी पर पड़ी जो एक किनारे पर पड़े शक्कर के दानों को लेकर जा रही थी| वह अपने काम को पूरी लगन से कर रही थी| जब भी उससे शक्कर का दाना गिरता तो वह उसे फिर से उठाकर अपने ठिकाने तक ले जाती| ऐसा करते-करते वह शक्कर के सात-आठ दाने पहुँचा चुकी थी| वह मेहनत करके ठंडी के लिए खाना जमा कर रही थी|

चींटी भले ही छोटी होती है| पर वह दूरदर्शी होती है| जीवन जीने और काम पूरा करने का ढंग एक चींटी से बढ़कर और कोई नहीं सिखा सकता है| चींटी का जीवन, उसका काम और उसे करने का ढंग हमारे लिए जिंदगी का एक बड़ा सबक है, जो व्यक्ति परिश्रमी होते है वे चरित्रवान, ईमानदार और स्वावलम्बी होते हैं, अगर हम अपने जीवन की, अपने देश की और राष्ट्र की उन्नति चाहते है, तो हमें भाग्य पर निर्भर रहना छोड़ कर परिश्रमी बनना होगा जो व्यक्ति परिश्रम करता है उसका स्वास्थ्य भी ठीक रहता है और वह अपने जीवन के हर लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब होता है |

मनोबल का माप परीक्षा के दिन नहीं

परिश्रम करने की अवधि में होता है|

आन्या अग्रवाल 7 वीं ब

आँखों देखी घटना

आजकल लोग अपने में ही मस्त रहते हैं और उन्हें दूसरों से कोई लेना देना नहीं होता है। कई बार हमारी आँखों के सामने ऐसी घटनाएं होती है, जिनकों हमें रोकना चाहिये या उसके लिये कुछ करना चाहिए । लेकिन लोग अपनी आँखे मूँद लेते हैं और कुछ नहीं करते । ऐसी ही एक घटना मेरी आँखों के सामने घटी ।

मैं अपने पिताजी के साथ बाजार जा रही थी| सड़क के किनारे बहुत भीड़ लगी थी,पास जाकर देखा कि एक बुजुर्ग लहूलुहान पड़ा था | शायद कोई दुर्घटना हुई थी | सभी देखते हुए गाड़ी आगे बढ़ा रहे थे| मेरे पिताजी ने भी गाड़ी आगे बढा ली तो मैंने कहा कि अगर उस बुजुर्ग की जगह मेरे दादाजी होते तो भी क्या हम उनकी मदद नहीं करते? यह सुनकर मेरे पिताजी ने गाड़ी रोकी और उस बुजुर्ग को अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल वालों ने कहा कि खून रोकने के लिये उन्हें एक इंजेक्शन देना होगा और उसके लिये छ: हजार रूपये जमा करवाने होंगे| मेरे पिताजी ने पैसे जमा करवा दिये और उस बुजुर्ग का इलाज हो गया। थोड़ी देर में उस बुजुर्ग के परिवार वाले आ गये और उन्होंने पिताजी का धन्यवाद किया और कहा कि अगर आप मदद नहीं करते तो इनकी जान चली जाती| मेरे पिताजी ने कहा कि धन्यवाद मुझे नहीं, इस बच्ची को दीजिये जिसने मुझे मदद के लिये प्रेरणा दी। उस परिवार ने मुझे धन्यवाद कहा और मैं बहुत खुश हो गयी|

असली खुशी दूसरों की मदद करने में ही आती है लेकिन लोग अपने में इतने व्यस्त हैं कि दूसरों के बारे में नहीं सोचते अगर हर इनसान दूसरों की मदद करना सीख जाए तो यह दुनिया सबके लिए एक खुबसूरत जगह बन जाएगी|

धीमाही कोटेचा 7 वीं द

वर्षा

नव जीवन है पुलकित तन-मन,
सावन आया बादल छाये|
रिमझिम रिमझिम बूँदें छमछम,
भीगी-भीगी बरखा आई|
पुष्पित कलियाँ ख़ुशबू छाई
मानो यौवन धरती का आया |
सूरज- बादल खेल दिखाए,
धवल-धवल धरा फिर मुसकाये|
जश्न मनाओ प्रभु की माया,
सावनआया बादल छाये ।
नव जीवन है पुलकित तन-मन,
सावन आया बादल छाये||

साव्या चन्द्रवंशी 9वीं ब

अगर मैं करोड़पति होती..

मैं एक माध्यम वर्गीय परिवार से हूँ| मेरे लिए करोड़पति होना अविश्वसनीय घटना है| मैं तो फिलहाल बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली विद्यार्थी हूँ|

जब यह वाक्य ध्यान आता है तो सबसे पहले मेरे मन में यह ख्याल आया कि अगर मैं करोडपति होती तो मैं खाती-पीती ,उड़ाती और ऐशो-आराम की जिंदगी जीती| फिर मेरे मन में यह ख्याल आया कि माध्यम वर्गीय होने पर भी मेरे पास रहने, खाने-पीने, पहनने-ओढ़ने योग्य पर्याप्त धन है परन्तु उन लोगों का क्या जिनके माता-पिता नहीं हैं और उनके पास जीने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं|

अगर मैं करोड़पति होती तो मैं अपने धन का कुछ हिस्सा जरूरतमंद और अनाथ आश्रम में दान करती| कुछ हिस्सा अपने भाई के अच्छे भविष्य के लिए नियोजित करती| हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारे माता-पिता सदा त्याग करते हैं तो अवश्य मैं भी मिली धन राशि से उनके जीवन को खुशियों से भरूँगी | बाकी शेष धन को मैं अपनी उच्च शिक्षा की प्राप्ति में खर्च करुँगी |

कुल मिलाकर मैं अपने धन का सदुपयोग करुँगी अर्थात धन को अनुपयोगी कार्यो में बरबाद नहीं करुँगी|

नव्या अग्रवाल 12 वीं अ

चलना हमारा काम है

जैसे सिक्के के दो पहलू होते हैं वैसे ही जीवन में सफलता-असफलता, हार-जीत समुद्र की लहरों की तरह आते-जाते रहते हैं| हमें किसी भी परिस्थितियों में सदैव कार्य करते रहना चाहिए|

आज विश्व में इतनी बड़ी महामारी फैली हुई है पर हमने हिम्मत नहीं हारी| सब मिलकर इससे लड़ रहे हैं और धीरे-धीरे इससे बाहर आ रहे हैं| मन में हमेशा उम्मीद होनी चाहिए-“जहाँ चाह वहाँ राह” हमारे वैज्ञानिक वैक्सीन बनाने ने निरंतर प्रयास कर रहे हैं| असफलता के डर से निकलकर केवल प्रयास करना ही हमारा कर्तव्य है|सफलता-असफलता नदी के दो किनारों की तरह हैं| हमें निरंतर प्रयास करना है| एक दिन हम जरुर कामयाब होंगे| थॉमस एडिसन 1000 कोशिश के बाद बल्ब के अविष्कार में सफल हुए थे | अगर वे असफलता से निराश हो जाते तो आज हम इतने प्रकाश में नहीं बैठ पाते| किसी ने सच ही कहा है –‘जो कभी असफल नहीं हुआ उसने अभी कुछ नया प्रयास ही नहीं किया| असफल होने पर हमें अपने को साबित करने का दूसरा मौका मिलता है इसीलिए हमें हारकर रुकना नहीं है बल्कि उठकर दुगुनी रफ्तार से अपने कदम आगे बढ़ाना है| भले हमारी गति धीमी हो पर वह अवरुद्ध न हो |

हम सब में इतनी क्षमता है कि हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं, उसे पाने के लिए केवल दृढ़ इच्छा-शक्ति होना चाहिए | हम जैसा सोचेंगे हमें वैसा ही मिलेगा, इसलिए सकारात्मक सोच रखते हुए आगे बढ़ना है और अपनी मंजिल को प्राप्त करना है।

सुमन जैन 10 वीं ब

Dhyaan Nimani
6E

Oss Agrawal
6B

Khushi Bothra, 8E

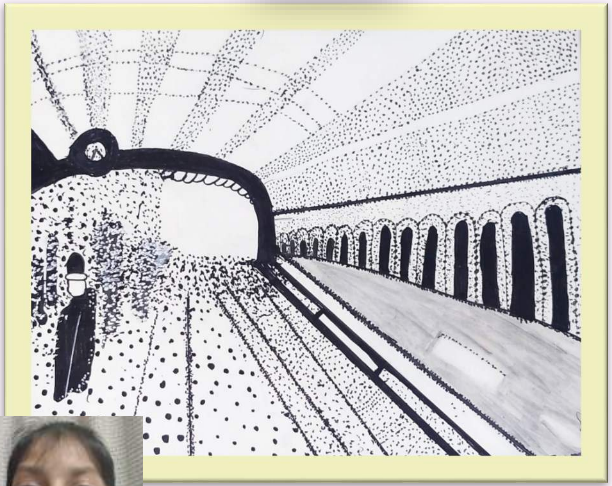

Rupika Surana
6E

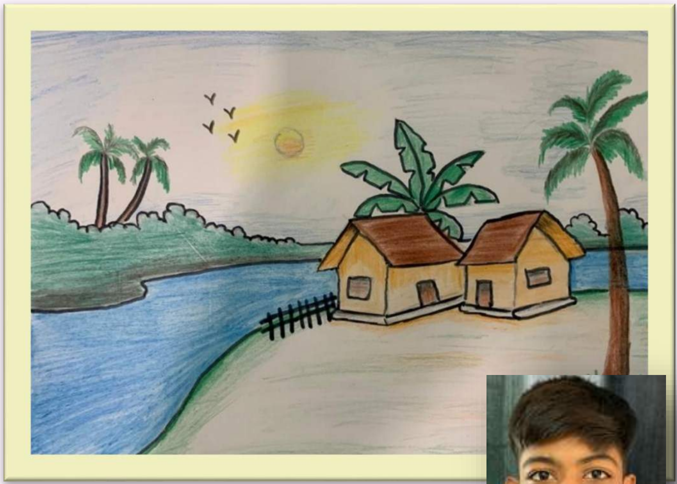

Anay Agrawal
8A

पेड़ों की कहानी पेड़ की ज़ुबानी

मैं एक पेड़ हूँ। मैं डेढ़ सौ सालों से यहीं पर खड़ा हुआ हूँ। बहुत सालों पहले की बात है, एक नन्हा और प्यारा-सा बालक अपने दोस्तों के साथ मेरे पास खेलने आया करता था, अब मुझे वह दिखाई ही नहीं देता, पर एक बूढ़ा आदमी अक्सर मेरे पास आकर बैठ जाता है, जो कि बिल्कुल उस बालक के जैसा दिखाई देता है, पर मुझे नहीं लगता कि वह वही बालक है। काश...मैं उस बच्चे से दुबारा मिल पाता|

खैर छोड़िए.........

क्या आपको पता है? कुछ दिनों पहले की बात है, मेरे साथी पेड़ों ने मुझे बताया था कि पास वाले जंगल में आग लगी थी और आग की लपटों ने सारे पेड़ों को जला दिया। मुझे यह सुनकर बहुत कष्ट हुआ और डर भी लगा यदि हमारे साथ ऐसा कुछ हुआ तो। आजकल तो कुछ इंसानों ने भी यहाँ आना-जाना शुरू कर दिया है। वो कुछ आँकड़ो की बात कर रहे थे।

लगता है इस बार वे हमारी भलाई ही करना चाहते हैं क्योंकि वे मुझे बुरे नहीं लगते। अवश्य ही कुछ अच्छा होगा,मुझे पता है कि इंसानों ने आज तक पेड़ों का केवल कत्ल-ए-आम किया है, लेकिन इंसानों को अब हमारा महत्व पता चल चुका है। इंसानों को पता है कि मैं उन्हें प्राणवायु प्रदान करता हूँ। मैं उन्हें और भी कई चीजें देता हूँ। वे अवश्य मेरा ध्यान रखेंगे।

आपको पता है? मैं हमेशा से इतना ऊँचा नहीं था, मैं पहले एक छोटा सा पौधा था और तब मेरा खयाल एक इंसान ने ही रखा था। इसलिए मुझे लगता है कि इंसान मेरा खयाल रखेंगे।

आर्यांश जे. टेकाम 9 वीं स

क्या फास्ट फूड भारतीय व्यंजनों का स्थान ले सकता है?

फास्ट फूड भारतीय खाद्य पदार्थों का स्थान नहीं ले सकता। फास्ट फूड का सेवन कभी-कभार किया जा सकता है क्योंकि वे परिष्कृत अनाज से बने होते हैं | वही दूसरी ओर पारंपरिक भोजन का प्रतिदिन सेवन किया जा सकता है क्योंकि वे अनाज ,ताज़े फल और सब्जियों जैसे पौष्टिक तत्वों से बने होते हैं| हमारा देश अपने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के लिए जाना जाता है और इन व्यंजनों का 'स्वास्थ्य और कल्याण' से संबंधित एक लंबा इतिहास है| भारतीय व्यंजनों का सेवन हमारे पूर्वजों के समय (लगभग 5000 साल)से किया जा रहा है क्योंकि वे इसका सेवन अपना स्वास्थ्य बनाने के लिए किया करते थे| पारंपरिक भोजन औषधीय लाभों से भरपूर होता है | ये कह सकते हैं कि फास्ट फूड के सेवन से हमें किसी भी प्रकार के औषधीय लाभ नहीं मिलेंगे ।

अगर हम वर्तमान स्थिति के बारे में बात करें तो ऐसी कई रिपोर्ट सामने आई हैं जो हमें यह बताती हैं कि भारत में होने वाली कोविड मौतों की तुलना अमेरिका से बहुत कम है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि भारतीय आहार में प्रोटीन, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर पदार्थ शामिल हैं । यह हमेशा ताजा सामग्री से बनाया जाता है। इस भोजन में हमेशा कृत्रिम अवयवों का उपयोग कम किया जाता है। यह भारतीय खाद्य को अधिक स्वास्थ्यवर्धक एवं स्वादिष्ट बनाता है। और यह अपने जड़ी बूटियों और समृद्ध स्वादों की एक विस्तृत विविधता के कारण दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय है| लोगों के पास विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भारतीय व्यंजन उपलब्ध हैं फिर भी वह फास्ट फूट का सेवन करते है क्योंकि आजकल लोग सेहत पर ध्यान नहीं देकर स्वाद पर ध्यान देते हैं।

मै इस निष्कर्ष पर पहुँचती हूँ कि लोगों को पारंपरिक भोजन का सेवन करना चाहिए क्योंकि ये हमारे शरीर को पोषण प्रदान करता है और नियमित रूप से फास्ट फूड खाने से मोटापा और हृदय रोग, फैटी लीवर और कैन्सर जैसे रोगों का खतरा बढ़ सकता है इसलिए हमें इनका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए ।

कृपाली परिहार 11 वीं अ

समय अमूल्य धन

'' पुरुष बली नहीं होत है समय होत बलवान|''

समय अमूल्य धन है। खोया समय पुनः नहीं मिलता'। दुनिया में ऐसी कोई वस्तु नहीं जो बीते हुए समय को वापस ला सके और यहीं समय की सबसे बड़ी विशेषता है।

समय सभी के लिए बराबर होता है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार इसका प्रयोग करता है। जो व्यक्ति समय की गति से बढ़ना सीख जाता है, वह जीवन में सफलता के रहस्य को जान लेता है। जो व्यक्ति कार्यों को समझकर उन्हें सही क्रम से बाँट नहीं पाते हैं उनके पास सदा समय की कमी रहती है और वे कोई भी कार्य आत्मविश्वास के साथ नहीं कर पाते।

विद्यार्थी जीवन ही पूरे जीवन की नींव है। समय और विद्यार्थी का अत्यधिक निकट संबंध है। समय का सदुपयोग करने वाले भावी जीवन में सफल होते हैं और साथ ही एक सफल नागरिक बनते हैं। समय का सदुपयोग केवल अनुशासित तथा उद्यमी व्यक्ति ही कर सकता है, आलसी नहीं। आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।विद्यार्थी को अपने एक – एक क्षण के उपयोग के प्रति सचेत एवं सावधान रहना चाहिए।

समय को बर्बाद करने वाला ना केवल स्वयं का जीवन नष्ट करता है , बल्कि पूरे समाज और देश का अहित भी करता है।

''है समय नदी की बाढ़ कि जिसमें सब बह जाया करते हैं

है समय बड़ा तूफान कि प्रबल पर्वत झुक जाया करते हैं।''

यह अत्यंत आवश्यक है कि विद्यार्थीगण , जो देश का भावी निर्माता हैं, समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को सुखी और समृद्धिशाली बनाएँ। समय महाशक्तिशाली है। इसकी भलीभांति पहचान होने पर अयोग्य भी योग्य बन जाता है। समय हमारे लिए सफलताओं के सुनहरे अवसर लाता है जिससे हमारा मस्तक गर्व से ऊँचा हो सके। अतः समय का सदुपयोग ही सफल जीवन का आधार है।

प्रशस्ति अग्रवाल 10 वीं ब

मेरे विचार

यह अक्सर देखा गया है कि किसी चीज़ का असली महत्व उसके जाने के बाद पता चलता है। हमारे अंदर ईर्ष्या, लालसा, लोभ,द्वेष , दुर्विचारों ने जगह बना ली है। हमारे पास जो है हम उसकी कद्र नहीं करते बल्कि और अधिक और अधिक पाने की लालसा हमें बेचैन कर देती है| हम इस बात से दुखी हैं कि कोई वस्तु विशेष हमारे पास नहीं है। अमीर से अमीर व्यक्ति अपने जीवन में सुखी और संतुष्ट नहीं है। हमें अपने जीवन की ख़ुशी का पैमाना भी नहीं पता है।

किसी ने सही ही कहा है कि किसी चीज़ का मूल्य उससे पूछो जिसके पास वह चीज़ नहीं है, शिक्षा का मूल्य हमसे ज्यादा एक अनपढ़ बच्चे को पता है जो किसी कारण से पढ़ नहीं पा रहा है। कई लोगों के पास रहने के लिए जगह नहीं है; पहनने के लिए कपड़े नहीं है; यहां तक कि खाने के लिए दो वक्त की रोटी तक नहीं है| इस तरह कुछ ऐसे लोग हैं जो अभाव में जीवन बिता रहे हैं तो कुछ ऐसे लोग जिनके पास सभी सुख सुविधाओं की सब वस्तुएँ होने के बावजूद किसी की मदद करना तो दूर हम अपने आप में भी खुश नहीं है|हमारे पास अच्छा वातावरण,अच्छे मित्र,हमारे पास अपना परिवार होने पर भी हम जीवन से संतुष्ट नहीं होते| सष्टि का सर्वश्रेष्ठ जीव होने के बाद भी मनुष्य अगर संतुष्ट और खुश नहीं है तो उसका जीवन निरर्थक है।

जिया जैन 10 वीं ब

सुविचार

“जो समय बचाते हैं वो धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन कमाए हुए धन के बराबर होता है |”

- महात्मा गाँधी

जब मैं मेले में खो गई

भारत देश में कई राज्य हैं और सभी राज्यों में समय-समय पर मेले लगा करते हैं |मेला एक ऐसी जगह है जहाँ एक ही स्थान पर बहुत से लोग इकट्ठे होते हैं| यहाँ मनोरंजन की अनेक वस्तुएँ उपलब्ध रहती हैं और तरह-तरह के व्यंजन| हमारे राज्य छत्तीसगढ़ में प्रतिवर्ष राज्योत्सव आयोजित किया जाता है| यह 1 नवम्बर से आरंभ होकर कुछ दिनों तक चलता है|

मुझे मेला घूमना बहुत पसंद है| हर वर्ष की तरह पिछले वर्ष भी मैं और मेरा परिवार मेला घूमने गए| मेले में बहुत भीड़ थी| ऐसा कह सकते हैं कि हर जगह शोरगुल था और हजारों की संख्या में लोग मेला देखने आये हुए थे| मैने माँ से कहा कि मुझे झूला झूलना है| माँ ने कहा कि पहले थोड़ा घूम लेते हैं और कुछ खरीददारी भी कर लेते हैं| फिर सब झूला झूलने चलेंगे| मैंने कुछ कहा नहीं पर मेरा ध्यान बस झूलों पर ही था| नए तरह के एक झूले को देखने में मैं कुछ ऐसी खो गई कि मुझे पता ही नहीं चला कि मैं कब माँ पिताजी से अलग हो गई|

अचानक मुझे ज़ोरदार धक्का लगा| भीड़ की धक्कामुक्की के बीच में खुद को फँसा हुआ देखकर पहले तो मुझे कुछ समझ नहीं आया कि मैं क्या करूँ, मुझे रोना भी आ रहा था| फिर मैंने हिम्मत से काम लिया| सबसे पहले तो मैं किसी तरह भीड़ से अलग निकली और एक सुरक्षित जगह देखकर खड़ी हो गई| थोड़ी ही दूर पर मुझे मेले के सुरक्षा गार्ड दिखाई दिए| मैं उनके पास गई और मैंने उन्हें पूरी बात बताई| उन्होंने मुझे पुलिस कंट्रोल रूम में महिला पुलिस के पास बैठने को कहा और धैर्य से काम लेने को कहा| अचानक मुझे ध्यान आया कि मेले में आने से पहले माँ ने मुझे मोबाइल देते हुए कहा था कि इसे अपने पास संभालकर रखो| मेला भीड़भाड़ वाली जगह होती है, | इसकी ज़रूरत पड़ सकती है| मोबाइल हाथ में लेते ही मैंने माँ पिताजी के ढेरों मिस कॉल देखे| बिना देर किए मैंने तुरंत माँ को कॉल किया और ये बताया कि मैं इस वक़्त कहाँ हूँ| उनसे लिपट के मैं ख़ुशी के मारे रो पड़ी| उन्होंने मेरा ध्यान रखने के लिए सुरक्षा गार्ड और पुलिस को धन्यवाद दिया और फिर हम घर की ओर वापस चल दिए| मैंने तब से यह निश्चय किया कि अब से मैं और ज्यादा सावधान रहूँगी और हमेशा बड़ों का कहना मानूँगी|

आदिति सिंह ठाकुर 8 वीं इ

रास्ते का पत्थर

रास्ते में पड़ा पत्थर,

एक दिन मुझसे बोल पड़ा-इतना क्यों उदास होते हो?

आशाएँ क्यो खोते हो ? तुम और अभी संघर्ष करो,

क्यों कर्त्तव्य पथ से विचलित होते हो? यह अंधकार मिट जाएगा|

,एक नई रोशनी फूटेगी ,निराशाओं की कड़ियाँ टूटेंगी,

हे मानव! तू दो हाथों से, सोच क्या नहीं कर सकता?

रेगिस्तान को अगर चाहे तो,मीठे जल से तू भर सकता।

अरे मैं, भी तो ठोकर खा-खाकर,कभी किनारे पर जाकर ,

अपने साहस के बलबूते पर, एक नए ताज महल की नींव बन सकता हूँ ,

प्रयत्न और विश्वास से कोणार्क शिखर पर जड़ सकता हूँ |

देख मैं क्या नहीं कर सकता हूँ? जब मुझमें इतनीआशा है,

तो तुम खुद पर विश्वास रखो आशा से ही सारा आसमान है-

आज नहीं तो कल तुम भी कुछ कर जाओगे,

अपने सपने, साहस और संघर्षों से

हे मानव! तुम महामानव बन जाओगे।।

नीलाक्ष दुबे 7वीं ब

Checkmate

OVERALL RESULTS

1ST ONLINE UWS CHESS TMT

shreyasjain2		rawatchess_2412		Giggles15nov	
Points	6	Points	6.5	Points	6
Tie Break	26.75	Tie Break	31	Tie Break	26
Performance	2056	Performance	2166	Performance	1961

9	Krishna Agarwal	9	Raj Kumar College, CG	9	Krishna1706	1569?	1	1	0	1	1	0	1	5	17.5
22	Ansh Chopda	7	Raj Kumar College, CG	22	anshchopda	1439	1	0	0	1	1	0	1	4	12
27	Yug Punglia	8	Raj Kumar College, CG	27	YugPunglia	1354?	1	0	1	0	0	1	1	4	8
37	Tashneet Singh	8	Raj Kumar College, CG	37	tashneet_singh_15	1421?	1	0	1	0	0	0	1	3	7

Fact

The word 'Checkmate' is derived from the Persian phrase 'shāh māt' (the king is helpless)

PLEDGE TO DEFEAT CORONA

'सभी लगाएंगे मास्क, तभी हारेगा कोरोना'

राजकुमार कालेज के प्राचार्य, उप-प्राचार्य सहित अन्य शिक्षकों ने नईदुनिया के अभियान 'अभी मास्क ही वैक्सीन' से जुड़कर शपथ ली। ● नईदुनिया

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण काल में जन-जन को मास्क लगाने के लिए 'अभी मास्क ही वैक्सीन' अभियान चलाकर नईदुनिया लोगों को प्रेरित कर रहा है। हर नागरिक को नईदुनिया के अभियान से जुड़ना चाहिए।

खुद मास्क लगाएं और दूसरों को मास्क लगाने के लिए जागरूक करें। बच्चे, महिलाएं सहित बड़े-बुजुर्ग सभी मास्क लगाएंगे, तभी कोरोना को हराया जा सकता है। यह बात राजकुमार कालेज के प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह ने कही। बुधवार को नईदुनिया के अभियान से राजकुमार कालेज के प्राचार्य, उप-प्राचार्य और शिक्षक जुड़े। उन्होंने मास्क लगाने की और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली।

> बच्चे हों या बड़े, सभी को मास्क अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेना चाहिए। जब भी घर से बाहर निकलें, मास्क जरूर लगाएं। इससे वे अपने और दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित रख सकते है। – **लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह**
> प्राचार्य, राजकुमार कालेज

> जब तक वैक्सीन नही आ जाती, तब तक हर किसी को मास्क को ही वैक्सीन समझ लेना चाहिए। इससे वे स्वयं को और दूसरों को संक्रमण से बचा सकते है।
> – **शिवेंद्र नाथ शाहदेव**,
> उप-प्राचार्य, राजकुमार कालेज

आनलाइन कक्षाएं चल रही हैं : कोरोना की वजह से स्कूल बंद हैं और आनलाइन कक्षाएं चल रही हैं। शपथ के दौरान शिक्षकों ने कहा कि बच्चों को मास्क के प्रति जागरूक किया जाएगा। वहीं उनसे यह भी कहा जाएगा कि वे अपने घर और पड़ोस के रहने वाले उन लोगों को भी टोकें, जो बिना मास्क लगाए घरों से निकलते हैं। फिलहाल यही बचाव का एकमात्र तरीका है।

जूनियर स्कूल की शिक्षिकाओं ने भी ली शपथ

राजकुमार कालेज के जूनियर स्कूल की शिक्षिकाओं ने भी मास्क लगाने की शपथ ली और दूसरों को भी इसके बारे में जागरूक करने की बात कही। इस दौरान जूनियर स्कूल के हेड चितवन सिंह के साथ अन्य शिक्षकाएं मौजूद थीं। ● नईदुनिया

RKC MUN

RKC MUN Crisis Summit-2020 on Nov 7-8

Raipur, Nov 06: "Excellence in the face of adversity" is the motto of this present Model United Nation (MUN) "RKC Crisis Summit, 2020" to be held on Nov 7th and 8th online. The Principal Lt. Col. Avinash Singh (Veteran) in his official address informs that the present Summit will provide a platform for intellectual discourse ranging over a number of topics and agendas and it will expand the knowledge of the students about the world.

The Headmistress of Junior Section Chitwan Singh in her address feels that the Summit will help the students to develop and foster the intellectual capital of young minds. Hinting about the success of the RKC MUN in 2019, she remarks that the present online Summit will far exceed the expectations of the previous one, thanks to the tireless efforts of all the dedicated delegates.

Giving brief information about the experience of attending more than 100 MUNs, Rudraksh Lakra along with Adhiraj Vikram Singh, both the Law students, will be providing the guidance for this Summit. There will be several Committees, Agendas and Executive Board Members in the Summit. As mentioned above, the Summit will be held on 7th and 8th of November, 2020.

It will commence at 9am on 7th Nov., 2020. This International Online MUN Summit will be attended by 95 schools and around 200 students will be participating from Finland, U.A.E. and Dubai other than Indian students. The awards to be given at the end of the MUN are 1. Best Delegation, 2.Best Delegate, 3. High Commendation and 4 Special Mention. Cash Prizes will be awarded to first three categories, informs Shivendra Nath Shah Deo, Vice Principal, RKC, Raipur.

BRIEFS

'RKC Crisis Summit 2020' from today

■ **Staff Reporter**
RAIPUR, Nov 6

RAJKUMAR College (RKC) will organise 'RKC Crisis Summit 2020' online on November 7 and 8.

'Excellence in the face of adversity' is the motto of this international Model United Nation (MUN) Summit. It will commence from 9am on Saturday.

Principal of RKC Lt Col Avinash Singh(Veteran) informed that the present summit will provide

a platform for intellectual discourse ranging over a number of topics and agendas. It will expand the knowledge of the students about the world, he added.

Headmistress of Junior Section Chitwan Singh said that the summit will help students to develop and foster the intellectual capital of young minds. Hinting about the success of the RKC MUN in 2019, she remarked that the present online summit will far exceed the expectations of the previous one, thanks to the tireless efforts of all the dedicated delegates.

Giving brief information about the experience of attending more than 100 MUNs, Rudraksh Lakra along with Adhiraj Vikram Singh, both the Law students, will be providing the guidance for this summit.

There will be several committees, agendas and executive board members in the summit.

The international online MUN Summit will be attended by 95 schools and around 200 students will be participating from Finland, UAE and Dubai other than Indian students.

The awards to be given at the end of the MUN are best delegation, best delegate, high commendation and special mention. Cash prizes will be awarded to first three categories.

Editorial Board

Published by: Lt. Col. Avinash Singh (Veteran), Principal

Editor in-chief: Mr. Shivendra N.S. Deo, Vice Principal

Editorial Team : Mr. Sanjay K. Mishra, Ms. Shrabony Dey, Dr. Sanjogita Tiwari, Ms. Radha Khankeriyal, Mr. Ankur Tiwari

Design Team : Ms. Tisha Susan Jacob, Ms. Kulmeet Bhatia, Ms. Minakshi Pradhan

Student Editors : Tushar Daga, Navya Rateria, Ishika Agrawal, Aradhya Tripathi, Rishi Pinjani, Aashi Saraogi, Anchal Agrawal, Maahi Tiwari

Disclaimer: Articles which have not been included in this edition will be published in the upcoming editions.